राजसमंद झील :→ कांकरोली (राजसमंद)

Note → राजस्थान का एकमात्र टायर ट्यूब का कारखाना - कांकरोली

→ निर्माण → राजसिंह (1662-76) गोमती नदी

नींव → मालवा (MP) की खेवर बाई ने

→ इस झील को पुष्कर की तरह पवित्र माना जाता है

→ इस झील का निर्माण अकाल राहत कार्य के दौरान करवाया गया।

→ इस झील के उत्तरी भाग नौ चोकी की पाल के नाम से जाना जाता है।

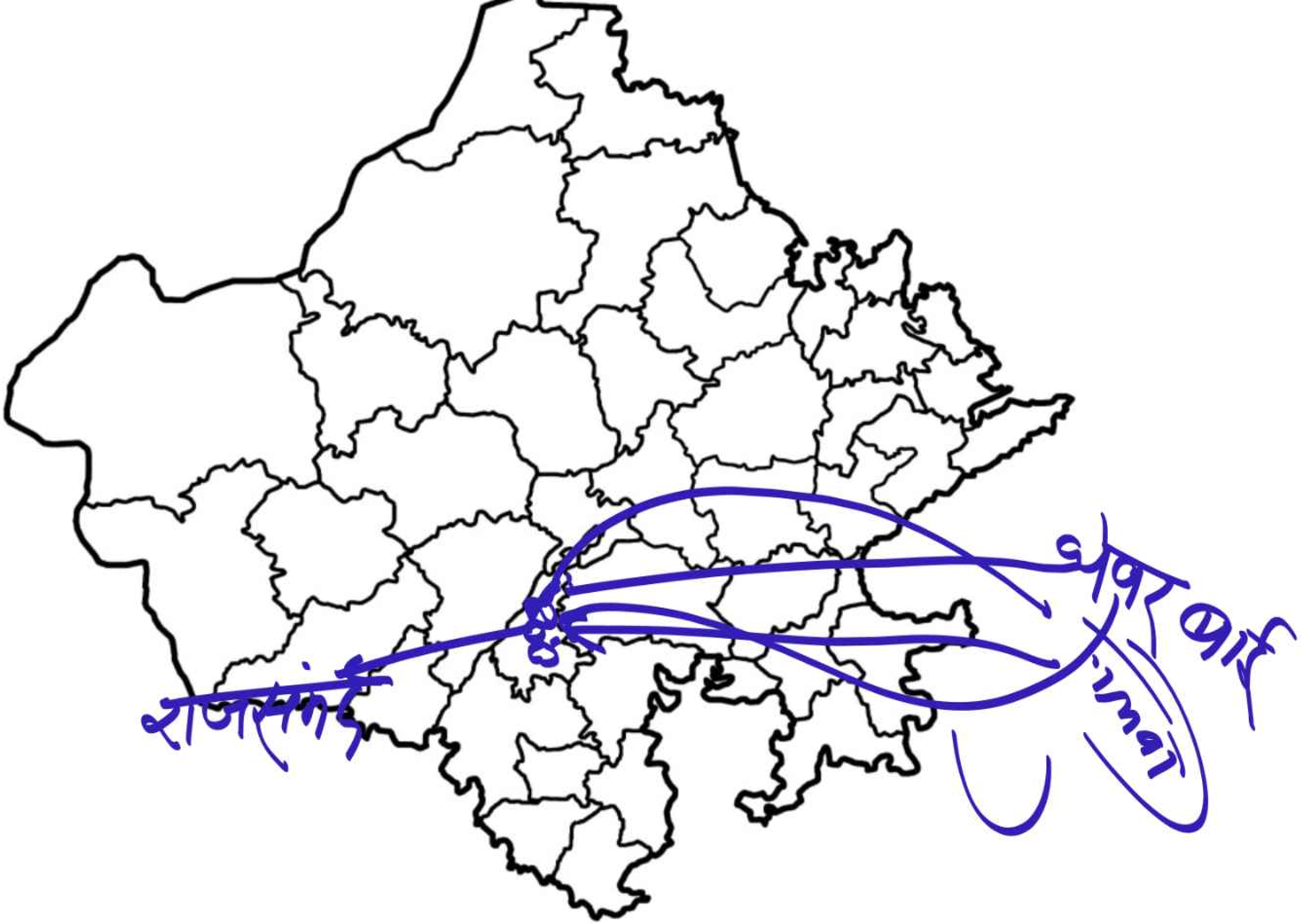
राजसमंद

जहाँ पर संगमरमर के 25 शिलालेखों पर → नौ चौकी की पाल
मेवाड़ राज्य का इतिहास लिखा है इसे
राज प्रशस्ति कहते हैं इसकी रचना
संस्कृत भाषा में रणछोड़ भट्ट तैलंग के द्वारा की गई।
इसे विश्व की सबसे बड़ी प्रशस्ति मानते हैं।
→ यह प्रशस्ति 1917 श्लोकों में वर्णित है।

दर्शनीय स्थल

① द्वारिकाधीश का मन्दिर ② दयालदास का किला
③ घेवर माता का मन्दिर (बीना पति के रानी)

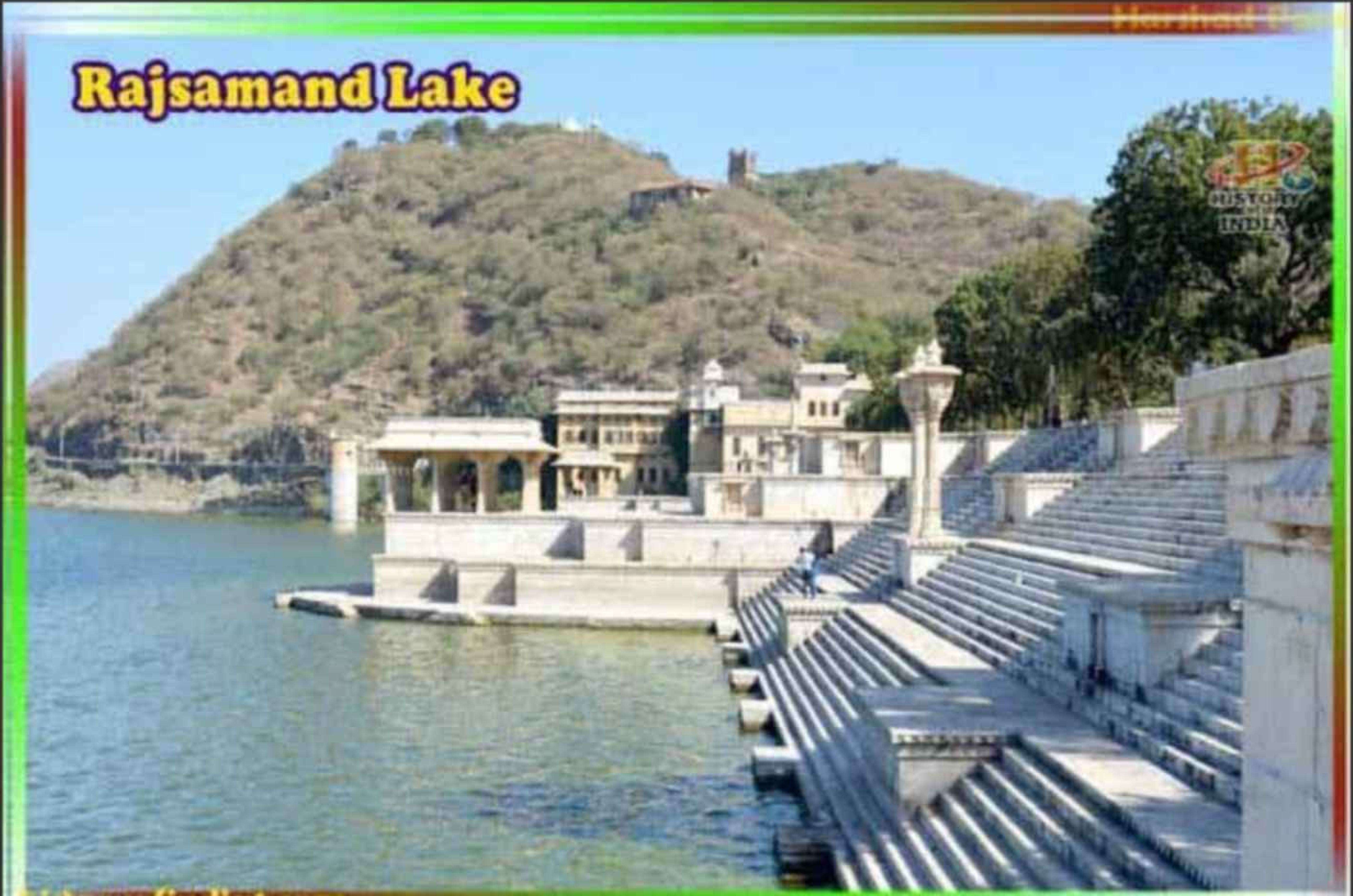
Rajsamand Lake
HISTORY INDIA

जय समंद झील : → सलूम्बर

- → निर्माण - 1685-91 → गोमती नदी , जयसिंह
- → उपनाम → जलचरो की बस्ती
- → स्थानीय भाषा → ढेबर झील

विश्व की दूसरी सबसे बड़ी कृत्रिम झील है मीठे पानी की

नोट विश्व की प्रथम कृत्रिम झील → गोविन्द सागर (H.M.)

→ इस झील पर कुल सात टापू बने है जिस पर भील व मीणा जनजाति के लोग निवास करते है

→ सबसे बड़े टापू को बाबा का भांगड़ा व छोटे टापू को प्यारी कहते है

→ सन् 1950 में इस झील से सिंचाई हेतू - भाट व श्यामपुरा दो नहरे निकाली गई।

→ दर्शनीय स्थल

① नर्मदेश्वर महादेव मन्दिर
② आइरा लैण्ड रिसोर्ट होटल

जयसमंद झील

पिछोला झील : → उदयपुर

↳ निर्माण राणा लाखा के काल में छितरमल बनजारे ने अपने बैल छितू की स्मृति में करवाया सिसारमा व कुराड़ा नदियों को रोककर

जीर्णोद्धार → 1525 में राणा सांगा ने करवाया

→ इस झील में देश की प्रथम सौर ऊर्जा चालित नाव शुरू की गई।

→ 1986 यहाँ पर पश्चिमी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र स्थापित किया गया

इस झील के पास जग मन्दिर व जगत निवास महल बने हैं।

जग मन्दिर → 1857 की क्रान्ति के दौरान नीमच छावनी से भाग कर आये 40 अंग्रेज अधिकारियों को मेवाड़ के महाराणा स्वरूप सिंह ने यहाँ शरण दी

→ यहाँ से शाहजहाँ को ताजमहल बनाने की प्रेरणा मिली शाहजहाँ ने यहाँ जहाँगीर से विद्रोह के समय शरण ली थी

→ यहां स्वामी दयानन्द सरस्वती ने सत्यार्थ प्रकाश नामक ग्रंथ की रचना की।

जगत निवास महल → इसे विश्व का सुन्दरतम महल माना जाता है।

→ पिछोला झील को स्वरूप सागर झील के माध्यम से फतेह सागर झील से जोड़ा गया है।

दर्शनीय स्थल

चामुण्डा माता मन्दिर, रूठीरानी का महल [12]

नहनी / गलकी का चबूतरा

लेक पैलेस होटल

बागौर हवेली → इस मे संसार की सबसे बड़ी पगड़ी रखी है (राणा सांगा की)

राजमहल → इतिहासकार फर्ग्युसन ने इसकी तुलना विंडसर के महलो से की है

का चबूतरा

फॉयसागर झील : → अजमेर

निर्माण - बांडी नदी पर - इं. मिस्टर फॉय ने करवाया
अकाल राहत कार्यों के दौरान

→ इस झील मे अधिक पानी आने के बाद आनासागर झील
मे चला जाता है।

फतेह सागर झील :→ उदयपुर

उपनाम → कैनाट बाँध, देवली तालाब

निर्माण → महाराणा जयसिंह

पुनर्निर्माण → फतेह सिंह

नींव रखी → ड्यूक ऑफ कैनॉट ने

→ इस झील के पास मोती मगरी नामक स्थान पर महाराणा प्रताप की अश्वारूढ़ प्रतिमा स्थापित की गई है।

→ इस झील के पास संग्राम सिंह II ने सात सहेलियों की बाड़ी नामक उद्यान का निर्माण करवाया।

यहाँ अहमदाबाद स्थित संस्था द्वारा देश की प्रथम सौरवेध शाला स्थापित की गई है। (1975 में)

→ यहाँ बेल्जियम देश द्वारा निर्मित MAST नामक टेलिस्कोप 5/अप्रैल/2015 को स्थापित किया गया।

यह टेलिस्कोप सूर्य की गतिविधियों को नोट करता है।

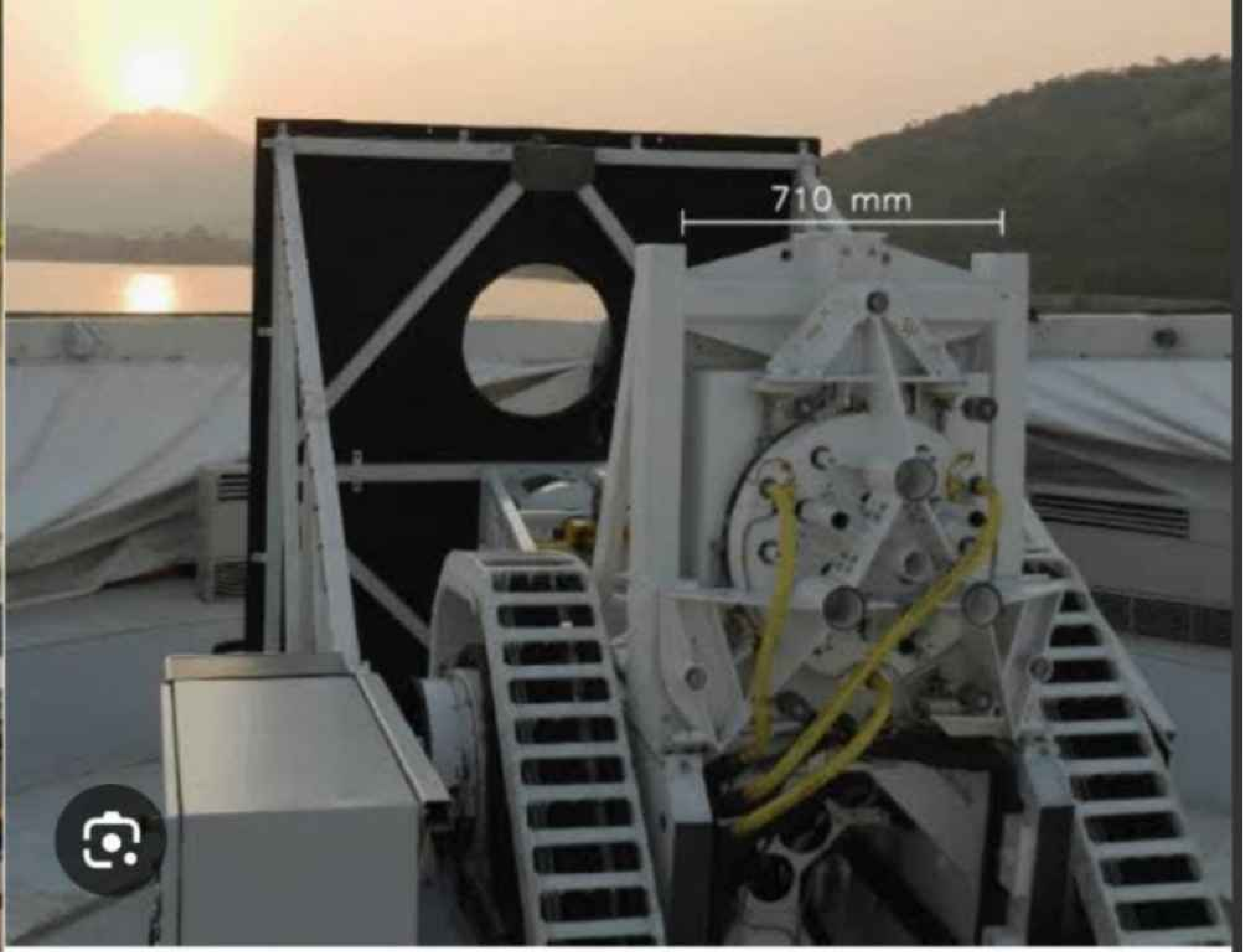
710 mm

पुष्कर झील : → अजमेर

↳ उपनाम → कोंकण तीर्थ, पंचम तीर्थ, तीर्थ राज, देवराज, प्रयागराज, आदी तीर्थ, तीर्थों का मामा

वैज्ञानिकों के अनुसार यह झील ज्वालामुखी निर्मित है जबकी पदम पुराण नामक ग्रंथ के अनुसार इस झील का निर्माण ब्रह्मा जी ने करवाया व पुष्करणा ब्राह्मणों के नाम पर पुष्कर नाम रखा गया।

→ यह भारत की सबसे प्राचीन, प्रदुषित व पवित्र झील मानी जाती है।

→ इस झील मे सफाई का कार्य कनाडा सरकार के सहयोग से व पुष्कर समन्वित विकास कार्यक्रम के तहत किया जाता है

→ जल की व्यवस्था → सरस्वती नाला नदी से

→ यहाँ कवि कालीदास ने अभिज्ञान शाकुन्तलम नामक नाटक की रचना की व वेद व्यास जी ने जय संहिता (महाभारत) नामक ग्रंथ की रचना की

→ इस झील पर कुल 52 घाट बने है

→ सबसे बड़ा घाट → गांधी घाट (महात्मा गांधी की अस्थियां विसर्जित की गई।

पवित्र घाट → गऊ घाट

↳ इस घाट के पास बैठकर 1705 मे सिक्खो के 10 वें गुरू गोविन्द सिंह जी ने गुरू ग्रंथ साहिब का पाठ किया।

यहाँ 1911 मे इंग्लैण्ड महारानी मेडम मेरी की यात्रा के दौरान मेरीघाट या जनाना घाट का निर्माण किया गया।

अन्य घाट → गौर घाट, चीर घाट, बड़ी घाट, कुंज घाट, श्याम घाट, गणगौर घाट

→ भगवान राम ने अपने पिता दशरथ का पिण्डदान इसी झील मे करवाया।

महाभारत युद्ध के बाद कौरवों पाण्डवों का मिलन यहीं पर हुआ।

→ कार्तिक पूर्णिमा को यहां राज्य का विशाल मेला लगता है जिसे राजस्थान का रंगीला मेला कहते हैं।

→ यहां पर दीपदान परम्परा भी होती है।

दर्शनीय स्थल : → गायत्री माता मन्दिर, सावित्री माता मन्दिर (भारत का एकमात्र मन्दिर), कांचरिया मन्दिर, रंगनाथ जी मन्दिर, बैकुंठ मन्दिर, भर्तहरी गुफा, कण्व मुनी आश्रम, ऋषि विश्वामित्र की तपोस्थली, ब्रह्मा जी का मन्दिर

नक्की झील : → माउन्ट आबु (सिरोही)

→ राजस्थान की सबसे ऊँची झील (ऊँचाई 1200 मीटर)

नोट → विश्व की सबसे ऊँची झील → टिसो शिलाह (तिब्बत)

विश्व की सबसे ऊँची नौकायन झील → टिटिकाका (पेरू बोलिविया)

भारत की " "' झील → देवताल

विश्व का सबसे नीचा स्थान → मृत सागर (जॉर्डन-इजरायल के मध्य)

→ राजस्थान की एक मात्र झील जिसका पानी सर्दियों मे जम जाता है

नक्की झील का निर्माण

- भूगोल वेत्ताओं के अनुसार → ज्वालामुखी निर्मित
- किवदन्ती के अनुसार → देवताओं ने अपने नाखूनों से खोदा
- इतिहासकारों के अनुसार → रसिया बालम ने कुंवारी कन्या से विवाह हेतु करवाया।

नक्की झील :→ माउन्ट आबु (सिरोही)

↳ राजस्थान की सबसे ऊँची झील (ऊँचाई 1200 मीटर)

नोट → विश्व की सबसे ऊँची झील → तिसो शिलरू (तिब्बत)

विश्व की सबसे ऊँची नौकायन झील → टिटिकाका (पेरू बोलिविया)

भारत की " " झील → देवताल

विश्व का सबसे नीचा स्थान → मृत सागर (जॉर्डन-इजरायल के मध्य)

↳ राजस्थान की एक मात्र झील जिसका पानी सर्दियों मे जम जाता है

नक्की झील का निर्माण

- भूगोल वेत्ताओं के अनुसार → ज्वाला मुखी निर्मित
- किवदन्ती के अनुसार → देवताओं ने अपने नाखुनों से बनाया
- इतिहासकारों के अनुसार → रसिया बालम ने कुँवारी कन्या से विवाह हेतू बनाया।

→ इस झील में गरासिया समाज के लोग अपने पुर्वजो की अस्थियां विसर्जित करते हैं। (गरासियों का पवित्र तीर्थ)

दर्शनीय स्थल :→ 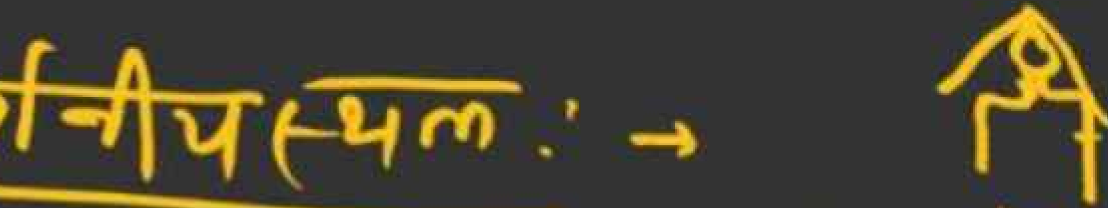

नन रॉक, टॉड रॉक, पैरट रॉक, हाथी गुफा, चंपा गुफा, वराह मन्दिर, हिल स्टेशन (स्वास्थ्य वर्धक स्थल) सन सेट प्वाइंट (डूबते सूर्य का नजारा), हनीमून प्वाइंट, अर्बुदा देवी का मन्दिर, ट्रेवल टैंक

गैप सागर झील : → डूँगरपुर

↳ उपनाम - एडवर्ड सागर बाँध

इस झील के पास वागड़ की मीरा गवरी बाई, काली बाई, नाना भाई खांट का स्मारक बना है।

→ इस झील के अन्दर बादल महल की पाल पर गोवर्धन नाथ का मन्दिर बना है।

सिली सेढ़ झील – अलवर

↳ उपनाम → राजस्थान का नंदन कानन

→ यहाँ RTDC का होटल लेक पैलेस स्थित है (6 मंजील)

काइलाना झील → जोधपुर

↳ उपनाम → प्रताप सागर झील

जोधपुर की सबसे बड़ी झील

गजनेर झील → बीकानेर

↳ उपनाम - शुद्ध पानी का दर्पण

→ अमर सागर झील → जैसलमेर

→ डुगारी झील, फुल सागर झील, नवल सागर झील - बुंदी

→ मानसरोवर झील, काडिला झील → झालावाड़.

→ थेला झील → अलवर

→ पाटन टेक्क झील, मावटा झील - जयपुर [redacted]

→ किशोर सागर झील - कोटा

→ भोपाल सागर झील → चितौड़गढ़

→ तालाब शाही → धौलपुर

→ बाल समंद झील → जोधपुर

दर्शनीय स्थल → आठ खम्भा महल
जनाना बाग

→ बड़ा सीसर झील → जैसलमेर

→ तलवाड़ा झील → हनुमानगढ़

→ राष्ट्रीय झील संरक्षण कार्यक्रम में शामिल राजस्थान की झीलें = 6

1. फतेह सागर झील - उदयपुर
2. पिछोला झील - उदयपुर
3. आना सागर झील → अजमेर
4. पुष्कर झील → अजमेर
5. नक्की झील → माउन्ट आबू (सिरोही)
6. मान सागर झील → जयपुर

→ पहले ये कार्यक्रम केन्द्र (70%) व राज्य (30%) का था जबकि 2016 से केन्द्र (60%) व राज्य (40%) का संयुक्त कार्यक्रम है।

राजस्थान की प्रमुख बावड़ियां

सीढ़ीदार कुआं

→ बावड़ियों का शहर → बूंदी

→ दूध बावड़ी → माउन्ट आबू (सिरोही)

→ चौखी बावड़ी → भीलवाड़ा

→ चमना बावड़ी → भीलवाड़ा

→ फुल बावड़ी → डीडवाणा कुचामन

→ त्रिमुखी बावड़ी → उदयपुर

→ नौलखा बावड़ी → डूंगरपुर

→ अनार कली की बावड़ी - बूँदी

→ भम्की बावड़ी - धौलपुर

→ मेड़तणी की बावड़ी - झुंझुनू

→ पर्चा बावड़ी → रुणेचा (जैसलमेर)

→ दिसम्बर 2017 मे राजस्थान की 6 बावड़ियों पर डाक टिकट जारी की गई।

① चाँद बावड़ी → आभानेरी (दौसा) → राज्य की सबसे बड़ी बावड़ी

② तूर जी का झालरा → जोधपुर

③ पन्ना मीणा की बावड़ी - आमेर (जयपुर)

④ रानी जी की बावड़ी → बूँदी

⑤ नीमराणा बावड़ी → कोटपूतली बहरोड़

⑥ नागर सागर बावड़ी → बूँदी